



**NEERAJ®**

# पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास

(Democracy and Development in Northeast India)

**B.P.S.E.- 145**

Chapter Wise Reference Book  
Including Many Solved Sample Papers

*Based on*

C.B.C.S. (Choice Based Credit System) Syllabus of

**I.G.N.O.U.**

& Various Central, State & Other Open Universities

*By: Shalini Singh*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

*(Publishers of Educational Books)*

Mob.: 8510009872, 8510009878 E-mail: [info@neerajbooks.com](mailto:info@neerajbooks.com)

Website: [www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

**MRP ₹ 280/-**

## Content

# पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास ( Democracy and Development in Northeast India )

Question Paper—June-2024 (Solved) .....	1
Question Paper—December-2023 (Solved) .....	1
Question Paper—June-2023 (Solved) .....	1-2
Question Paper—December-2022 (Solved) .....	1-2
Question Paper—Exam Held in July-2022 (Solved) .....	1

---

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
<b>परिचय ( Introduction )</b>		
1.	क्षेत्र का निर्माण ( Making of the Region )	1
2.	क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक और नृजातीय रूपरेखा ( Socio-Cultural and Ethnic Profile of the Region )	6
3.	क्षेत्र की आर्थिक रूपरेखा ( Economic Profile of the Region )	13
<b>संवैधानिक प्रावधान और शासन ( Constitutional Provisions and Governance )</b>		
4.	संविधान सभा में बहस ( Constituent Assembly Debates )	20
5.	पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष प्रावधान ( Special Provisions for the Northeast India )	30
6.	क्षेत्रीय और जिला परिषदें ( Regional and District Councils )	39

<i>S.No.</i>	<i>Chapterwise Reference Book</i>	<i>Page</i>
--------------	-----------------------------------	-------------

### **पहचान की राजनीति ( Identity Politics)**

7. प्रवास, शरणार्थी और नागरिकता ( Migration, Refugees and Citizenship ) .....	48
8. स्वायत्तता आंदोलन ( Autonomy Movements ) .....	58
9. नृजातीयता और पहचान की राजनीति .....	71
( Ethnicity and Politics of Recognition )	

### **दलीय राजनीति और चुनाव ( Party Politics and Elections )**

10. राजनीतिक दल और दलीय व्यवस्था .....	82
( Political Parties and Party System )	

### **नए सामाजिक आंदोलन ( New Social Movements )**

11. छात्र आंदोलन ( Students' Movements ) .....	93
12. महिला आंदोलन ( Women's Movements ) .....	103
13. पर्यावरण आंदोलन ( Environmental Movements ) .....	109
14. मानव अधिकार आंदोलन ( Human Rights Movements ) .....	120

### **विकास ( Development )**

15. सामाजिक और मानव विकास ( Social and Human Development ) .....	127
16. आर्थिक विकास ( Economic Development ) .....	136



**Sample Preview  
of the  
Solved  
Sample Question  
Papers**

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

# QUESTION PAPER

June – 2024

(Solved)

पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास  
(Democracy and Development in Northeast India)

B.P.S.E.-145

समय : 3 घण्टे ]

[ अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न पत्र के दो भाग हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

## भाग-I

प्रश्न 1. पूर्वोत्तर भारत में सामाजिक-सांस्कृतिक और नृजातीय संरचना की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-1, पृष्ठ-6, 'पूर्वोत्तर भारत में नृजातीय समूह'

प्रश्न 2. संविधान सभा में पूर्वोत्तर भारत के प्रतिनिधित्व पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-4, पृष्ठ-23, प्रश्न 2

प्रश्न 3. जिला परिषदों की विशेषताओं और उनके कार्यों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-6, पृष्ठ-39, 'अवधारणाएँ : क्षेत्रीय और जिला परिषदें', पृष्ठ-40, 'जिला और क्षेत्रीय परिषदों (एडीसी और एआरसी) की शक्तियाँ'

प्रश्न 4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-

(क) पूर्वोत्तर भारत में प्रवासन

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-7, पृष्ठ-51, प्रश्न 2

(ख) पूर्वोत्तर भारत में स्वायत्तता आन्दोलन

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-8, पृष्ठ-61, प्रश्न 2 तथा प्रश्न 3

## भाग-II

प्रश्न 5. पूर्वोत्तर भारत में पहचान की राजनीति पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-9, पृष्ठ-72, 'पूर्वोत्तर भारत में पहचान की राजनीति'

प्रश्न 6. पूर्वोत्तर भारत के एक विशिष्ट राज्य में राजनीतिक दलों और दल प्रणाली का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-16, पृष्ठ-83, 'राजनीतिक दल और दलीय व्यवस्थाएँ'

प्रश्न 7. पूर्वोत्तर भारत में छात्र आन्दोलन और दलीय राजनीति के बीच संबंध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-11, पृष्ठ-95, 'छात्र आंदोलन और दलगत राजनीति' तथा पृष्ठ-97, प्रश्न 4

प्रश्न 8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

(क) मेघालय में महिला आन्दोलन

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-12, पृष्ठ-106, प्रश्न 3

(ख) मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में नागा मदर्स एसोसिएशन का योगदान

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-14, पृष्ठ-123, प्रश्न 3



# QUESTION PAPER

December – 2023

(Solved)

पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास  
( Democracy and Development in Northeast India )

B.P.S.E.-145

समय : 3 घण्टे /

/ अधिकतम अंक : 100

नोट : इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न चुनते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

## खण्ड-I

प्रश्न 1. पूर्वोत्तर भारत के संदर्भ में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के महत्त्व की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-4, पृष्ठ-20, 'परिचय', पृष्ठ-22,

प्रश्न 1

प्रश्न 2. पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष प्रावधानों का परीक्षण कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-5, पृष्ठ-31, 'विशेष प्रावधान'

प्रश्न 3. पूर्वोत्तर भारत में प्रवासन और नागरिकता के मुद्दे का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-7, पृष्ठ-49, 'नागरिकता के मुद्दे का उदय', पृष्ठ-48, 'प्रवास'

प्रश्न 4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-

(क) पूर्वोत्तर भारत में स्वायत्तता आन्दोलनों की विशेषताएं

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-8, पृष्ठ-60, प्रश्न 1

(ख) पूर्वोत्तर भारत में पहचान की राजनीति

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-9, पृष्ठ-72, 'पूर्वोत्तर भारत में पहचान की राजनीति'

## खण्ड-II

प्रश्न 5. पूर्वोत्तर भारत में दलीय व्यवस्था की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-10, पृष्ठ-85, प्रश्न 3

प्रश्न 6. पूर्वोत्तर भारत में शिक्षा के संबंध में विकास के व्यापक आकार पर चर्चा कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-15, पृष्ठ-129, प्रश्न 2 तथा पृष्ठ-130, प्रश्न 3

प्रश्न 7. पूर्वोत्तर भारत में विकास और औद्योगीकरण के आकारों का विश्लेषण कीजिए।

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-16, पृष्ठ-138, प्रश्न 2

प्रश्न 8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए-

(क) मणिपुर में पर्यावरण संबंधी चिंता

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-13, पृष्ठ-112, प्रश्न 2

(ख) पूर्वोत्तर भारत में मानवाधिकारों का हनन

उत्तर-संदर्भ-देखें-अध्याय-14, पृष्ठ-122, प्रश्न 2

# Sample Preview of The Chapter

*Published by:*



**NEERAJ  
PUBLICATIONS**

[www.neerajbooks.com](http://www.neerajbooks.com)

# पूर्वोत्तर भारत में लोकतंत्र और विकास ( Democracy and Development in Northeast India )

## परिचय ( Introduction )

### क्षेत्र का निर्माण ( Making of the Region )



#### परिचय

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आठ राज्य हैं—असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और सिक्किम। ये राज्य बांग्लादेश, म्यांमार, चीन, भूटान और नेपाल जैसे भारत के पड़ोसी देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। इन राज्यों को सात बहनों के नाम से भी जाना जाता है। ये राज्य पश्चिम बंगाल के सिलीगुडी राज्य के द्वारा भारत से जुड़े हुए हैं। पूर्वोत्तर भारत को 1826 में यंदाबो की संधि के बाद पहचान मिली। इन राज्यों में अंग्रेजों ने समय-समय पर कई प्रशासनिक परिवर्तन करने का प्रयास किया गया था। भौगोलिक दृष्टि से पूर्वोत्तर भारत एक पहाड़ी और मैदानी क्षेत्र है। यहाँ विभिन्न क्षेत्र एवं भाषाएँ हैं। इन क्षेत्रों में जनजातियों की संख्या अधिक मात्रा में है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पूर्वोत्तर भारत में जिला स्वायत्त परिषदें बनाई गयी हैं, जिसका उद्देश्य इन राज्यों का विकास करना था। 1970 के दशक में असम के पुनर्गठन एवं तीन प्रशासनिक संस्थाओं—पूर्वोत्तर परिषद्, समान उच्च न्यायालय तथा समान राज्यपाल की स्थापना के बाद इस क्षेत्र को अलग पहचान मिली। सितंबर, 2001 में केंद्र सरकार ने इन राज्यों के लिए पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय (डोनर) की स्थापना की।

#### अध्याय का विहंगावलोकन

##### एक क्षेत्र के रूप में पूर्वोत्तर का उदय

भारत के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों में से चार राज्यों का उदय असम से हुआ है। वर्ष 1963 में नागालैंड एक अलग राज्य बना। नागालैंड की तर्ज पर वर्ष 1972 में मेघालय को भी एक अलग राज्य बनाया गया। मिजोरम 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बन गया और 1987 में अरुणाचल प्रदेश ने राज्य का दर्जा हासिल किया। 1975 में सिक्किम भारत में राज्य के रूप में मिलने से पहले एक देश था।

#### असम

1826 के बाद असम का बड़ा हिस्सा ब्रिटिश शासन के अधीन आ गया था। 1874 में अंग्रेजों द्वारा असम को एक अलग प्रांत बनाया गया था। इसके अंतर्गत पहाड़ी क्षेत्र, ब्रह्मपुत्र नदी तथा बराक घाटी जैसे समतल क्षेत्र आते थे। असम भौगोलिक दृष्टि से विशाल राज्य था, किंतु विभिन्न समय में असम में से कई केंद्र शासित प्रदेश एवं राज्य बनाए गए। मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम (1972 में केंद्र शासित प्रदेश) तथा राज्य 1987 में बनाए गये थे।

#### मणिपुर और त्रिपुरा

मणिपुर राज्य भारत के पूर्वोत्तर भाग में स्थित है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल है। मणिपुर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है। इस राज्य के उत्तरी भाग में नागालैंड और दक्षिणी भाग में मिजोरम स्थित है। मणिपुर के पश्चिमी और पूर्वी हिस्से की ओर असम और म्यांमार है। उत्तर-पूर्व में त्रिपुरा, मिजोरम और असम उत्तर-दक्षिण तथा पश्चिम में बांग्लादेश की सीमा साझा करती है। औपनिवेशिक काल में मणिपुर और मिजोरम मूल राज्य थे। 1950 में स्टेट लॉ एक्ट में संशोधन करके मणिपुर और त्रिपुरा के लोगों ने राज्य का दर्जा देने की माँग की। 1972 में मणिपुर एवं त्रिपुरा को राज्य बनाया गया।

#### मेघालय, नागालैंड और मिजोरम

मेघालय राज्य का निर्माण असम के तीन पहाड़ी जिलों को मिलाकर किया गया था। ये पहाड़ी जिले हैं—खासी हिल्स, जयंतिया हिल्स एवं गारो हिल्स। इन पहाड़ियों पर ऐंग्लो खासी युद्ध हुआ था तथा अंग्रेजों द्वारा इन पर कब्जा कर लिया गया था। 1874 में असम के निर्माण के बाद इन्हें असम में पहाड़ी जिलों के तौर पर शामिल किया गया। असम सरकार की भाषा की नीति तथा छठी सूची के प्रावधानों के प्रति लोगों में असंतोष बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप मेघालय राज्य के गठन की मंजूरी दी गयी। इस राज्य में खासी हिल्स जिले, जयंतिया हिल्स जिले एवं गारो हिल्स जिलों को शामिल किया गया। 1972 में मेघालय को असम से अलग एक पूर्ण राज्य का दर्जा मिला।



अंग्रेजी सरकार के दौरान असम के लुशाई हिल्स और बंगाल के दक्षिणी भाग के अधीन रहा। 1972 में मिजो पहाड़ी जिले को अरुणाचल प्रदेश के साथ केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था। 1987 में मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश को अलग राज्य बनाया गया।

विभिन्न नागा आबादी वाले क्षेत्र सात दशकों से भी ज्यादा समय तक ब्रिटिश प्रशासन के प्रभाव में आये। नागा आबादी वाले विभिन्न क्षेत्रों को 1963 में नागालैंड राज्य का दर्जा मिला।

### अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश राज्य 20 फरवरी, 1987 को अस्तित्व में आया। 20वीं शताब्दी के दूसरे दशक में प्रशासनिक सीमाओं के निर्माण की प्रक्रिया के अंतर्गत इस राज्य का निर्माण हुआ। 1880 में असम से दरांग और लखीमपुर जिलों को अलग कर दिया गया। तथा 1954 में भारत सरकार ने असम राज्य के पुनर्गठन के बाद एन.ई.एफ.ए. को 20 जनवरी, 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। अरुणाचल प्रदेश जो अभी तब केंद्र शासित प्रदेश था 20 फरवरी, 1987 को राज्य में परिवर्तित कर दिया।

### सिक्किम

1975 में सिक्किम 22वें राज्य के रूप में भारतीय संघ में शामिल गया। सिक्किम की भौगोलिक स्थिति अन्य पूर्वोत्तर राज्यों; जैसे-असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा एवं मेघालय से अलग है। सिक्किम पश्चिम बंगाल के जलपाई गुड़ी, कूच बिहार एवं सिलीगुड़ी जिलों की सीमाओं के द्वारा 'सात बहनों' के साथ जुड़ा हुआ है। एन.ई.सी. में शामिल होने के बाद सिक्किम पूर्वोत्तर राज्यों में आठवाँ राज्य बन गया। इंडो-सिक्किम संधि के अनुसार सिक्किम भारतीय संघ में विलय से पहले भारत के संरक्षक के रूप में जाना जाता था। 1975 से पहले सिक्किम एक देश था। 1973 में सिक्किम के राजनीतिक दलों ने सम्राट के राजशाही उन्मूलन की माँग की, फलस्वरूप सम्राट ने जनमत संग्रह कराया, 1971 में लोगों ने राजशाही के विरोध में मतदान किया। तत्पश्चात सिक्किम भारतीय संघ का एक स्वतंत्र राज्य बना।

## बोध प्रश्न

### प्रश्न 1. पूर्वोत्तर परिषद एवं डोनर का क्या महत्त्व था?

**उत्तर-**भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र आठ राज्यों से बना है-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा। यह क्षेत्र देश में भौगोलिक क्षेत्र का 8% है। पूर्वोत्तर भारत के ये राज्य 'सात बहनों' के नाम से भी प्रसिद्ध हैं। सिक्किम राज्य 'सात बहनों' के अंतर्गत नहीं आता है। इन आठ राज्यों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए 1971 में पूर्वोत्तर परिषद् (NEC) का गठन एक केंद्रीय संस्था के रूप में किया गया था। सितंबर, 2001 में पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय (DONER) का गठन किया गया था। पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए मंत्रालय के अधीन एक विधायी संस्था है और अधिनियम 2002 के अनुरूप कार्य करती है। पूर्वोत्तर परिषद का प्रमुख कार्य क्षेत्रीय योजना बनाना और विभिन्न प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप राज्य सरकारों और अन्य संस्थाओं की विभिन्न परियोजनाओं की निगरानी और इन्हें पूर्ण करना है।

केंद्र सरकार ने 'पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय' (डोनर) की स्थापना भी इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए की। यह मंत्रालय पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के नोडल विभाग के तौर पर सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए कार्य करता है। पूर्वोत्तर परिषद को भी डोनर के अंतर्गत लाया गया। पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम 2002 के अनुसार असम को भी पूर्वी उत्तर भारत के आठ परिषद राज्यों में शामिल कर लिया गया है। पूर्वोत्तर परिषद एवं डोनर की स्थापना के बाद पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को एक अलग पहचान मिली। पूर्वोत्तर परिषद एवं पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय (डोनर) की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्रों के विकास के लिए केंद्र सरकार का एक सराहनीय कदम था। इन दोनों संस्थाओं ने पूर्वोत्तर राज्यों के विकास को दिशा प्रदान की।

### प्रश्न 2. पूर्वोत्तर भारत के गठन का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

**उत्तर-**भारत के उत्तर पूर्व में सात राज्य हैं, जिन्हें 'सात बहनों' के नाम से भी जाना जाता है। बाद में सिक्किम इन उत्तर-पूर्वी राज्यों का आठवाँ राज्य बना। ये सभी राज्य भारत के पड़ोसी देशों; जैसे-बांग्लादेश, म्यांमार, चीन, भूटान, नेपाल के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ जुड़े हुए हैं। इन राज्यों को पहचान 1826 में यंदाबो संधि के बाद मिली। अंग्रेजों द्वारा इन क्षेत्रों में समय-समय पर विभिन्न परिवर्तन किये गये। भौगोलिक दृष्टि से पूर्वोत्तर भारत एक पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्र है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पूर्वोत्तर भारत में जिला स्वायत्त परिषदें बनाई गईं, जिनका उद्देश्य इन राज्यों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास करना था। भारत सरकार अधिनियम 1935 में कुछ क्षेत्रों को 'अपवर्जित' तथा कुछ क्षेत्रों को आंशिक रूप से 'अपवर्जित' क्षेत्र घोषित किया गया था। कुछ संस्थाओं ने भी पूर्वोत्तर राज्यों की पहचान में योगदान दिया, जिसमें पहले सात राज्यों-असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय और बाद में आठवें राज्य सिक्किम को भी जोड़ा गया। इन राज्यों के विकास के लिए 'पूर्वोत्तर परिषद्' की स्थापना और सितंबर, 2001 में केंद्र सरकार द्वारा 'पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय' (डोनर) की स्थापना की गई। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों का उदय असम राज्य में से हुआ था। 1965 में नागालैंड, 1972 में मेघालय, 1987 में अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम। मणिपुर एवं त्रिपुरा औपनिवेशिक काल में देशी राज्य थे। अरुणाचल प्रदेश एक प्रशासनिक ईकाई के रूप में अस्तित्व में आया था, जिसे 'नेफा' के नाम से भी जाना जाता था। पूर्वोत्तर राज्यों के गठन का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

**असम-**असम 1874 में एक अलग राज्य बना। इसमें पहाड़ी क्षेत्र एवं ब्रह्मपुत्र तथा बराक घाटी जैसे समतल क्षेत्र शामिल थे। असम से अलग-अलग समय में केंद्र शासित प्रदेश या राज्य बनाए गए।

**मणिपुर और त्रिपुरा-**मणिपुर और मिजोरम ब्रिटिश काल में मूल राज्य थे। 1950 के स्टेट लॉ एक्ट में संशोधन के बाद मणिपुर एवं त्रिपुरा को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। त्रिपुरा एवं मणिपुर को 1972 में राज्य का दर्जा मिला।

मेघालय, नागालैंड और मिजोरम—मेघालय राज्य असम राज्य के तीन पहाड़ी जिलों को मिलाकर बनाया गया था, खासी हिल्स, जयंतिया हिल्स एवं गारो हिल्स। 1960 में दशक के दौरान पहाड़ी राज्य के गठन की माँग उठी तथा 1972 में असम के भीतर एक 'राज्य के अंदर राज्य' का सृजन किया गया। परिणामस्वरूप असम में से मेघालय राज्य का जन्म हुआ। मिजो पहाड़ी जिलों को 1972 में अरुणाचल प्रदेश के साथ केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया और 1987 में मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश को एक अलग राज्य बनाया गया।

**अरुणाचल प्रदेश**—असम के पुनर्गठन के बाद एन.ई.एस.ए. को 20 जनवरी, 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। 20 फरवरी, 1987 को केंद्र शासित प्रदेश अरुणाचल प्रदेश को एक अलग राज्य बनाया गया।

**सिक्किम**—1975 में सिक्किम राज्य को भारतीय संघ में 22वें राज्य के रूप में जोड़ा गया था। सिक्किम भौगोलिक दृष्टि से उत्तर पूर्वी राज्यों से भिन्न है। यह राज्य पश्चिम बंगाल के जलपाई गुड़ी, कूच बिहार एवं सिलीगुड़ी जिलों के द्वारा सात बहनों के साथ जुड़ा हुआ है। 2002 में सिक्किम एन.ई.सी. में शामिल होने के बाद पूर्वोत्तर भारत का आठवाँ राज्य बना। भारतीय संघ में विलय होने से पहले सिक्किम एक देश था।

**प्रश्न 3. पूर्वोत्तर भारत के कौन-से राज्य केंद्र शासित प्रदेश थे?**

**उत्तर**—पूर्वोत्तर भारत में आठ राज्य हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय एवं सिक्किम। इनमें से चार राज्य अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय और मिजोरम राज्य का दर्जा मिलने से पहले असम राज्य का हिस्सा थे। 1972 में मेघालय एक राज्य और अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए। 1950 में स्टेट लॉ एक्ट के खंड में संशोधन के बाद मणिपुर एवं त्रिपुरा को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। मणिपुर और त्रिपुरा के लोगों ने राज्य का दर्जा देने की माँग की थी। राज्य की माँग को रद्द करके एस.आर.सी. ने त्रिपुरा को दीर्घकाल के लिए और मणिपुर को असम में मिलाने का सुझाव दिया था। त्रिपुरा एवं मणिपुर को 1972 में अरुणाचल प्रदेश के साथ केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था और 1987 में मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश केंद्र शासित प्रदेश को अलग राज्य बनाया गया था।

1914 में ब्रिटिश प्रशासन के द्वारा नार्थ ईस्ट फ्रंटियर ट्रैक्ट (एन.ई.एफ.टी) का निर्माण किया गया था। 1954 में भारत सरकार ने एन.ई.एफ.टी. का नाम बदलकर नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) कर दिया गया, जो कि असम राज्य के गठन के बाद एन.ई.एफ.ए. को 20 जनवरी, 1972 में केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। केंद्र शासित प्रदेश अरुणाचल प्रदेश को उसी नाम से ही 20 जनवरी, 1987 को राज्य के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। मणिपुर और त्रिपुरा (1956 और 1972 के बीच) और अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम (1972 और 1987 के बीच) केंद्र शासित प्रदेश थे।

**प्रश्न 4. सिक्किम के पूर्वोत्तर भारत के क्षेत्र के साथ संबंधों की चर्चा कीजिए।**

**उत्तर**—सिक्किम भारत के पूर्वोत्तर भाग में स्थित एक पर्वतीय राज्य है। सिक्किम पश्चिम में नेपाल, उत्तर तथा पूर्व में चीन, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र तथा दक्षिण-पूर्व में भूटान से लगा हुआ है। भारत का पश्चिम बंगाल राज्य इसके दक्षिण में है। गंगटोक सिक्किम की राजधानी है। पूर्वोत्तर राज्यों का हिस्सा बनने से पहले यह एक स्वतंत्र देश था। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पूरे देश में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में अलग-अलग रियासतों का भारत में विलय किया गया। इसी क्रम में 6 अप्रैल, 1975 को सिक्किम के सम्राट को भारतीय सेना ने नजरबंद कर दिया और महल को अपने नियंत्रण में ले लिया। इसके साथ ही सिक्किम की स्वतंत्रता की समाप्ति हो गयी। इसके बाद सिक्किम में जनमत संग्रह कराया गया। जनमत संग्रह में 97.5 प्रतिशत लोगों ने राजशाही उन्मूलन के लिए मतदान किया, जिसके बाद सिक्किम को भारत का 22वाँ राज्य बनाने का 36वाँ संविधान संशोधन विधेयक 22 अप्रैल, 1975 को लोकसभा में पेश किया गया। उसी दिन इसे बहुमत के आधार पर बिल कर दिया गया। वहीं राज्यसभा में यह बिल 26 अप्रैल को पास हुआ और 15 मई, 1975 को जैसे ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इस बिल पर हस्ताक्षर किये, नाम्याल राजवंश का शासन समाप्त हो गया और सिक्किम संघ का 22वाँ राज्य बन गया।

## बहुविकल्पीय प्रश्न

**प्रश्न 1. चंदाबो संधि कब हुई?**

- (क) सन् 1874 में (ख) सन् 1835 में  
(ग) सन् 1826 में (घ) सन् 1870 में

**उत्तर**—(ग) सन् 1826 में।

**प्रश्न 2. पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की स्थापना कब हुई थी?**

- (क) फरवरी, 2005 में (ख) सितंबर, 2001 में  
(ग) नवंबर, 2002 में (घ) मार्च, 2001 में

**उत्तर**—(ख) सितंबर, 2001 में।

**प्रश्न 3. पूर्वोत्तर में राज्यों की संख्या कितनी है?**

- (क) पाँच (ख) सात  
(ग) आठ (घ) दस

**उत्तर**—(ग) आठ।

**प्रश्न 4. सिक्किम कब भारत का राज्य बना?**

- (क) सन् 1975 में (ख) सन् 1972 में  
(ग) सन् 1963 में (घ) सन् 1970 में

**उत्तर**—(क) सन् 1975 में।

**प्रश्न 5. पूर्वोत्तर भारत के चार राज्यों का उदय किस राज्य में से हुआ?**

- (क) सिक्किम (ख) असम  
(ग) नागालैंड (घ) मिजोरम

**उत्तर**—(ख) असम।

प्रश्न 6. ब्रह्मपुत्र नदी तथा बराक घाटी किस राज्य में है?

- (क) मणिपुर (ख) मेघालय  
(ग) असम (घ) अरुणाचल प्रदेश

उत्तर—(ग) असम।

प्रश्न 7. सिक्किम भारतीय संघ का कौन-सा राज्य बना?

- (क) 23वां (ख) 28वां  
(ग) 22वां (घ) 20वां

उत्तर—(ग) 22वां।

प्रश्न 8. इंडो, सिक्किम संधि कब हुई?

- (क) सन् 1920 में (ख) सन् 1875 में  
(ग) सन् 1960 में (घ) सन् 1950 में

उत्तर—(घ) सन् 1950 में।

प्रश्न 9. किस राज्य को 'नेफा' के नाम से जाना जाता था?

- (क) अरुणाचल प्रदेश (ख) मिजोरम  
(ग) मेघालय (घ) असम

उत्तर—(क) अरुणाचल प्रदेश।

प्रश्न 10. औपनिवेशिक काल में कौन-से दो राज्य रियासतों के रूप में मौजूद थे?

- (क) असम और अरुणाचल प्रदेश  
(ख) त्रिपुरा और मणिपुर  
(ग) मेघालय और मिजोरम  
(घ) नागालैंड और सिक्किम

उत्तर—(ख) त्रिपुरा और मणिपुर।

प्रश्न 11. क्षेत्रीय आकांक्षाओं का आधारभूत सिद्धांत क्या है?

- (क) लोकतांत्रिक राजनीति (ख) साम्प्रदायिकता  
(ग) उदारीकरण (घ) विघटन

उत्तर—(क) लोकतांत्रिक राजनीति।

प्रश्न 12. असम समझौता कब हुआ?

- (क) 15 अगस्त, 1985 (ख) 15 अगस्त, 1986  
(ग) 15 जनवरी, 1990 (घ) 30 अगस्त, 1988

उत्तर—(क) 15 अगस्त, 1985

प्रश्न 13. असम गण परिषद् किस राज्य में सक्रिय है।

- (क) गुजरात (ख) पंजाब  
(ग) तमिलनाडु (घ) असम

उत्तर—(घ) असम।

प्रश्न 14. आन्ध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी की स्थापना कब हुई?

- (क) 1985 में (ख) 1982 में  
(ग) 1984 में (घ) 1981 में

उत्तर—(ख) 1982 में।

प्रश्न 15. किस उत्तर-पूर्वी राज्य में जनसंख्या घनत्व अधिक पाया जाता है?

- (क) मेघालय (ख) नागालैंड  
(ग) असम (घ) मिजोरम

उत्तर—(ग) असम।

प्रश्न 16. उत्तर-पूर्व परिषद का आठवाँ सदस्य कौन-सा राज्य बना?

- (क) सिक्किम (ख) असम  
(ग) मणिपुर (घ) मिजोरम

उत्तर—(क) सिक्किम।

प्रश्न 17. 1364-1841 तक अवा किस देश की राजधानी थी?

- (क) नेपाल (ख) बर्मा  
(ग) भारत (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर—(ख) बर्मा।

प्रश्न 18. सिक्किम राज्य का कुल क्षेत्रफल कितना है?

- (क) 7000 वर्ग किलोमीटर (ख) 6000 वर्ग किलोमीटर  
(ग) 3000 वर्ग किलोमीटर (घ) 2000 वर्ग किलोमीटर

उत्तर—(क) 7000 वर्ग किलोमीटर।

प्रश्न 19. एन.ई.एफ.टी. का नाम बदलकर NEFA (नेफा) कब किया गया?

- (क) 1940 में (ख) 1954 में  
(ग) 1961 में (घ) 1971 में

उत्तर—(ख) 1954 में।

प्रश्न 20. मिजो पहाड़ी क्षेत्रों को अरुणाचल प्रदेश के साथ कब केन्द्र शासित प्रदेश बनाया गया?

- (क) 1972 में (ख) 1980 में  
(ग) 1987 में (घ) 1990 में

उत्तर—(ख) 1972 में।

### अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

प्रश्न 1. पूर्वोत्तर भारत के 'सात बहनें' राज्यों से क्या तात्पर्य है?

उत्तर—भारत के उत्तर-पूर्व में सात राज्य हैं, जिन्हें 'सात बहनों' या 'सेवन सिस्टर्स' के नाम से जाना जाता है। आमतौर पर उत्तर-पूर्व भारत को परस्पर निर्भरता के कारण 'सात बहनों' की भूमि के रूप में जाना जाता है। ये राज्य हैं—अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा। ये सभी राज्य एक-दूसरे पर परस्पर निर्भर करते हैं। त्रिपुरा बांग्लादेश से घिरा एक घेरे की तरह है, जो असम पर परिवहन के लिए निर्भर करता है। असम में बाढ़ वाली सभी नदियाँ अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड से निकलती हैं। मिजोरम से भारत के बाकी हिस्से जुड़े हैं। मिजोरम और मणिपुर असम के बराक घाटी के माध्यम से भारत के अन्य हिस्सों से जुड़े हैं। इस परस्पर निर्भरता के कारण उन्हें ज्योति प्रसाद साइकिया द्वारा 'सात बहनों की भूमि' का उपनाम दिया गया है। इन सात राज्यों में जातीय और धार्मिक विविधता के बावजूद भी राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक मुद्दों पर समानताएँ हैं।

उत्तर-पूर्व भारत दुनिया के सबसे ज्यादा जातीय रूप से विविध क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है। यह क्षेत्र भूटान, चीन, म्यांमार और बांग्लादेश के साथ 2000 किमी से अधिक सीमा साझा करता है और 'चिकन की गर्दन' नामक 20 किमी के कॉरिडोर से भारत